**Today’s Poem – 23.09.2014**

**यह वन्डरफुल सतसंग है**

**यहाँ बाबा का संग है**

**यहाँ तुम्हें जीते जी मरना सिखलाते**

**जीते जी मरने वाले ही हंस बनते**

**हमें विनाश के पहले सम्पन्न बनना**

**इसकी हमें फिकरात रखना**

**लास्ट सो फर्स्ट जाने के लिए महावीर बन पुरूषार्थ करना**

**माया के तूफानों में नहीं हिलना**

**बाप समान रहमदिल बन मनुष्यों के बुद्धि का ताला खोलने की सेवा करनी**

**एक दिन भी पढ़ाई मिस नहीं करनी**

**ज्ञान सागर में रोज़ ज्ञान स्नान कर परीजादा बनना**

**भगवान के हम स्टूडेंट हैं-इस नशे में रहना**

**निश्चय और नशा हर परिस्थिति में विजयी बना देता**

**आप सिद्धि स्वरूप की शान में रहो तो कोई भी परेशान नहीं कर सकता**

**मेरा बाबा**

**ॐ शान्ति !!!**

****